ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದ ಪೂರ್ವಸಿದ್ಧತಾ ಪರೀಕ್ಷೆ 2024–25

ವಿಷಯ : ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

KEY ANSWERS

प्र.सं	उत्तर	अंक
1	D.दिन	1
2	B.श्रीमती	1
3	C.पैसा	1
4	A. दिखाना	1
5	B. वृध्दि	1
6	D.तत्पुरुष	1
7	A. प्रश्नवाचक	1
8	C. से	1
9	चचेरा भाई	1
10	डॉक्टर	1
11	मोहन	1
12	दया	1
13	वर्षों से सक्सेना परिवार में साधोराम नाम का नौकर काम कर रहा था।	1
14	बच्चों की तारीफ कलेक्टर साहब ने की।	1
15	समय की पहचान कविता के कवि आत्मा पर विश्वास करने के लिए कहते हैं।	1

16	यशोदा और नंद का रंग गोरा था।	1
17	जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते हैं कि जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म - पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।	2
18	सम्मेलन में लेखक की सभी वस्तुएँ चोरी हो रही थी। ताला तक चुरा लिया गया था। अब वे ही बचे थे। अगर वे वहीं रुके रहे तो उन्हीं को चुरा लिया जा सकता था। यह सोचकर लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।	2
19	किंद्रू लालिम और किंचा लालीदाम दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे। वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते हैं। इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर वल पड़े।	2
20	धीरज सक्सेना के घर के काम के सात-साथ नाती-पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए बुद्धिमान रोबोट की जरूरत थी।	2
21	मनुष्य को आलस छोड़ना चाहिए। समय को नष्ट नहीं करना चाहिए। जो समय मिला है, उसका सदुपयोग करने से मनुष्य को सुख प्राप्ति संभव है।	2
22	यशोदा कृष्ण से कहती है, सुनो कृष्ण बलराम तो बचपन से ही चुगलखोर है, दुष्ट है। मैं गौ माता की कसम खाकर कहती हूँ तुम ही मेरे पुत्र हो, मै ही तुम्हारी माता हूँ। इस प्रकार कहकर कृष्ण के क्रोध को शांत करती है।	2
23	शनि ग्रह के चारों ओर अत्यंत संदर वलय हैं। वे स्पष्ट और विस्तृत हैं। ऐसा लगता है - प्रकृति ने उसके गले में खूबसूरत हार डाल दिए हैं। इन वलयों के कारण शनि सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है। अथवा शनि ग्रह सुर्य से पृथ्वी की अपेक्षा दस गुना अधिक दूर है। इसलिए सूर्य का ताप शनि ग्रह की सतह पर बहुत कम पहँचाता है। पृत्वी का मात्र सौवाँ हिस्सा। शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के निचे 150° सेंटीग्रेड के आसपास होता है। इसलिए शनि एक ठंडा ग्रह है।	2
24	महात्मा गांधीजी का कथन है कि "सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर करते है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत कभी नहीं होता।" अथवा अन्वर ने मीना मैडम से कहा - समस्त देशवासियों के प्रति भाई चारे का भाव रखना और जाति, धर्म,भाषा, प्रदेश, और वर्ग पर आधारित हमारा कर्तव्य है।	2

25	लेखक प्रेमचंद जी सब्जी और फलों के महत्व बारे में कहते हैं कि, सब्जी और फलों का सेवन करने से हमारे शरिर के लिए आवश्यक विटामिन और प्रोटीन मिलते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। रोज एक सेब खाने से हमें डॉक्टर की ज़रूरत नहीं पड़ती। इसलिए आज कल सभी लोग सेब, टोमाटो, गाजर आदि का सेवन कर रहे हैं।	3
26	गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। अत: गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर गिल्लू न कुछ खाया, न बाहर गया । पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परंतु सुबह की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया।	3
27	बसंत एक स्वाभिमानी तथा ईमानदार लड़का है, क्योंकि वह छलनी, बटन और दियासलाई बेचकर मेहनत कर के अपना पेट पालता है । छलनी बेचे बिना पैसे लेना वह भीख समझाता है। घायल स्तिथि में भी वह होश आने पर पं.राजकिशोर के पैसे अपने भाई प्रताप के हाथों लौटाता है। जब पं. राजकिशोर चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने लगते हैं तो कहता है मैं गरीब हूँ । इतने पैसे मेरे पास नहीं हैं । इससे हम कह सकते हैं कि बसंत एक स्वाभिमानी तथा ईमानदार लड़का है ।	3
28	इंटरनेट द्वारा दूर के रहनेवाले रिश्तेदार या दोस्तों को कोई विचार, विषय, स्थिर चित्र हो या वीडियो चित्र हो आसानी से कम खर्च में भेजा जा सकता है । पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते हैं । इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं ।	3
29	एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने फवडे से बर्फ की खुदाई कर पहले अपने-आप को सुरक्षित रुप से स्थिर किया । इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी । बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाता के ताज का चुंबन किया ।हनुमान चलीसा और दुर्गा माता का चित्र निकालकर लाल कपडे में लपेटा और छोटी सी पूजा करके बर्फ में दबा दिया ।	3
30	मातृभूमि के खेत हरे-भरे हैं और सुंदर हैं । वन-उपवन फल-फूलों से भरे हुए हैं । मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है । भारत माँ सुख-संपत्ति, धन-धाम को मुक्त हस्त से बाँट रही है । इस प्रकार मातृभुमि कविता में मातृभूमि के प्राकतिक सौंदर्य का वर्णन हुआ है ।	3
31	दिनकर जी अभिनव मनुष्य कविता में इस प्रकार कहते हैं कि, प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है। मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।	3

32	प्रस्तुत पंक्तियों को तुलसीदास द्वारा रचित तुलसी के दोहे से लिया गया है। प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी प्रकार राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है।	3
33	**ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೇರಳವಾಗಿವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು 'ಶ್ರೀಗಂಧದ ನಾಡು' ಎಂದು ಕರೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ. ಶ್ರೀಗಂಧದ ಎಣ್ಣೆ, ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಕಲಾಕೃತಿಗಳನ್ನು ಇಲ್ಲಿ ತಯಾರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.**	3
34	कर्नाटक की शिल्पकाला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है। बेलूर, हलीबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं सजीव लगती हैं। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनाती हैं।श्रवण्बेलगोल में ५७ फूट ऊँची गोमटेश्वर की एक शिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है। विजयपुर की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहाल अत्यंत आकर्षणीय है। अथवा कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चीम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत के दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चीमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं। यहाँ कावरी, कृष्णा, तुंग-भद्रा आदि नदियाँ बहती हैं। जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात मनमोहक हैं।	4
35	असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो। जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।	4
36	अ) गांधीजी डॉ. अंबेडकर जी की निःस्वार्थ सेवाओं से प्रभावित हुए। आ) भारत का संविधान संसार का सर्वश्रेष्ठ संविधान माना गया है। इ) डॉ. अंबेडकर जी को सर्वश्रेष्ठ संविधान बनाने के उपलक्ष डॉक्टर आफ कान्स्टिट्यूशन की उपाधी प्रदान किया गया। ई)भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को देश में लागू हुआ।	4

37

अ) <u>इंटरनेट</u>

<u>प्रस्तावाना</u> : आज का युग इंटरनेट युग है । बड़े बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक इसका असर पड़ा है। इसकी वजह से पुरे विश्व का विस्तार एक गाँव सा हो गया है । इनसानी सोच का दायरा बड़ गया है । इंटरनेट अनगिनत कंप्युटरों के कई अंतरजालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है । इनसान के लिए खान-पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक है ।

<u>लाभ :</u> जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है । इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकीन हो गया है इंटरनेट द्वारा हम घर बैटे-बैटे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह चाहे जितनी रकम भेज सकते हैं । वीडियो कान्फरेन्स द्वारा विभिन्न देश के 8-10 प्रतोनिधियों के साथ एक साथ एक कमरे बैठकर विचार विनमय कर सकते हैं आई.टी. और आई. टी. ई. एस्. संस्थाओं से कई लोगों को रोजगार मिला है। ई- गवर्नेंस द्वारा प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

<u>हानि</u> : इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैकिंग फ्राड़, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नही बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासील कर रहे हैं। इसलिए हम लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए।

<u>उपसंहार :</u> वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट से मानव जीवनशैली और उसकी सोच में क्रातंतिकारी परिवर्तन हुआ है । जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है ।

ख) बेरोज़गारी

<u>प्रस्तावना :</u> हमारे देश की एक कठिण समस्या है बेरोज़गारी। बेरोज़गारी एक आर्थिक और सामाजिक समस्या है जिसके कारण देश की शांती और व्यवस्था को खतरा है । जब कोई व्यक्ति बाजार में प्रचलित मजदूरी के दर से काम करना चाहता है पर उसे काम नहीं मिलता या किसी पढ़े लिखे व्यक्ति को उसकी काबिलियत के हिसाब से नौकरी नहीं मिलती है तो वह बेरोजगार माना जाता है और इस समस्या को बेरोजगारी कहते हैं ।

<u>बेरोजगारी के कारण :</u> बढ़ती हुई जनसंख्या, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, आधुनिक मशीनों का उपयोग, उद्योग धंधो का अभाव, लघु तथा कुटीर उद्योगों की अवनती। इनके कारण निर्धनता में वृद्धि होती है, भूखमरी की समस्या उत्पन्न होती है, अपराधों में वृद्धि होती है, आत्महत्या की समस्या आदि बढ़ती हैं ।

<u>बेरोज़गारी दूर करने के उपाय :</u> लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना, जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाना । माशीनी करण और कंप्यूटरीकरण पर नियंत्रण, रोज़गार के नए अवसरों का निर्माण, कृषी सहायक उद्योग धंधों का विकास, कुटीर और लघु उद्योगों का का विकास, शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन आदि से बेरोज़गारी को दूर कर सकते हैं।

<u>उपसंहार :</u> हमें निराश नहीं होना चाहिए हमारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है । अपने काम धंधएं करने के लिए लोन दिया जा रहा हैं । आवश्यकता इस बात की है कि हम आत्मविश्वास और दृढता के साथ सहयोग करें और मिलजुलकर इस समस्या को हल करें ।

ग) पर्यावरण – प्रदूषण

<u>प्रस्तावना</u> : हमारे चारों ओर के वातरण को पर्यावरण कहते हैं । पर्यावरण में सिर्फ मानव ही नहीं रहता, बल्कि जीव-जंतु, पशु-पक्षी, पहाड़, चट्टान जैसी चीज़ों के अलावा हवा, पानी, ऊर्जा आदि को भी शामिल किया जाता है । प्रदूषण का अर्थ होता है मलिन, गन्दा ।

<u>प्रदूषण के प्रकार</u> : पर्यावरण प्रदूषण के मुख्यतः तीन प्रकार हैं- वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण ।

<u>प्रदूषण के कारण</u> : अधिक जनसंख्या से वाहनों से, कल-कारखानों से, वन विनाश से, लोगों के लालच से, नये-नये वैज्ञानिक संशोधनों से प्रदूषण होता है ।

<u>परिहारोपया</u> : जनसंख्या विस्फोट पर नियंत्रण रखना, वाहन तथा कारखानों का उपयोग कम करना, वन विनाश पर नियंत्रण रखना, लोगों को शिक्षित करना, अधिक पेड़ - पौधों को लगाना आदि कार्य करने से हम पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण पा सकते हैं ।

उपसंहार : प्रदूषण का असर हमारे जीवन के हर पहलू पर पड़ रहा है, और यह प्राणियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुका है। अगर हमें बेहतर जीवन और स्वस्थ वातावरण चाहिए, तो हमें प्रदूषण नियंत्रण के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में काम करना होगा।

38

प्रेषक,

अ ब क

कक्षा दसवीं

सरकारी माद्यमिक विद्यालय,

हुल्लोली ता: हुक्केरी

591305

दिनांक : 01/03/2025

सेवा में,
प्रधानाध्यापक,
सरकारी माद्यमिक विद्यालय,
हुल्लोली ता: हुक्केरी
591305

महोदय,

विषय : चार दिन की छुट्टी के लिए विनती पत्र ।

उपर्युकर विषय के संबंध में आप से निवेदन है कि हमारे घर में मेरी बड़े भाई की शादी होनेवाली है । इस शादी में भाग लेने के लिए मैं गाँव जाना चाहता हूँ। इसलिए आप मुझे दिनांक 02//03/2025 से 05/03/2025 तक चार दिन की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद

स्थान : हुल्लोली

आपका/की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा
अ ब क

अथवा

प्रेषक,
अ ब क
सरकारी माद्यमिक विद्यालय,
हुल्लोली ता: हुक्केरी
591305

दिनांक : 01/003/2025

पूज्य माताजी,

सादर प्रणाम,

मैं यहाँ अब पूरी तरह स्वस्थ हूँ और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रहा हूँ। डॉक्टर की सलाह के अनुसार पानी उबालकर पिता हूँ। अपने खान-पान में भी पूरी तरह सावधानी रख रहा हूँ। आप सभी मेरी चिंता न करते हुए अपने स्वास्थ का ध्यान रखें। मैं परीक्षा खतम करके घर आ जाऊँगा। आपका आशिर्वाद सदा मुझ पर बना रहे । पिताजी जी को मेरा प्रणाम और छोटे भाई को ढेर सारा प्यार । बाकी सब कुशल।

आप का प्रिय पुत्र
अ ब क

सेवा में,
क ख ग
तीसरा क्रॉस, विद्यानगर
चिक्कोडी , 591201